

## CBSE Class 10 English A Baker from Goa Summary

A Baker from Goa Summary in both english and hindi is available here. This article starts with a discussion about the author and then explains the chapter in short and detailed fashion. Ultimately, the article ends with some difficult words and their meanings.

### Short Summary of A Baker from Goa

In this article, you will be reading glimpses of India summary. The chapter includes three short stories. First one is the A Baker from Goa by Lucio Rodrigues. This is a story about a baker and relates to the old Portuguese days. The second one is Coorg by Lokesh Abrol. It is a story about Coorg, a place in Karnataka. The author describes the weather, environment, people, wildlife and the landscape of Coorg in this story. The last one is Tea from Assam by Arup Kumar Datta. This story is about two friends exploring

### Summary of A Baker from Goa in English

#### A Baker from Goa Summary of the Lesson

Goa is very much influenced by the Portuguese. Their traditional work can be still seen there. The Portuguese are famous for preparing the loaves of bread. We can come across the makers of bread in Goa. The furnaces baking the bread still exist there.

It is a traditional family work and these bakers are known as pader in Goa. The writer tells about his childhood days in Goa when the baker used to be their friend.

He used to visit their house twice a day. In the morning his jingling sound of the bamboo woke them from sleep. They all ran to meet him. The loaves were purchased by the maidservant of the house. But they always ran to get bread bangles. Sometimes the baker had special sweet bread.

His entry created the 'jhang-jhang' sound from the bamboo. Through one hand the baker supported the basket on his head and the other hand banged the bamboo on the ground. After greeting the lady of the house by saying 'Good morning', the baker would place his basket. He had loaves for the elders' and the bangles for the children. There used to come a typical fragrance from the loaves.

The villagers were much fond of the sweet bread known as 'boll'. The marriage gifts were meaningless without it. So the bakers' furnace in the village was the most essential thing.

The lady of the house prepared sandwiches on the occasion of her daughter's engagement. Cakes and Ibolinhas' formed important items on various occasions like Christmas and other festivals.

In those days the bread-seller wore a particular dress known as 'Kabai'. It was a single piece long frock up to the knees. Even today they can be seen wearing a half pant that reaches just below the knees. People usually comment that he is dressed like 'a Pader'.

The baker would collect his bill at the end of the month. They recorded their accounts on the wall in pencil. Baking was a profitable profession in old days. The baker and his family never starved and they looked happy and prosperous.

### Summary of A Baker from Goa in Hindi

कहानी हमें उस समय वापस ले जाती है जब पुर्तगाली गोवा पर शासन करते थे। वे अपने ब्रेड के लिए बेहद प्रसिद्ध थे। कथाकार अक्सर अपने बुजुर्गों को 'उन अच्छे पुराने दिनों' के बारे में सोचते हुए पाता है और उन्हें बताता है कि प्रसिद्ध ब्रेड उस समय से पहले है जब पुर्तगाली गोवा पर शासन करते थे। वे अतीत पर विचार करते हैं और उन्हें बताते हैं कि हालांकि पुर्तगालियों ने गोवा छोड़ दिया है, लेकिन रोटी की रोटी अभी भी मौजूद है, यदि मूल नहीं हैं, तो उनकी विरासत उनके बेटों द्वारा जारी रखी जा रही है। बेकर्स को अभी भी 'पैडर्स' के रूप में संदर्भित किया जा रहा है। बेकिंग के बारे में सब कुछ अभी भी वही है; उन लोगों से लेकर जो रोटी की रोटियों को ढालते हैं, उन भट्टियों को जो समय की दरारों से बची हैं। उनके आने की आवाज़ और उनकी बांस की छड़ी की थाप अब भी पुराने ज़माने की तरह सुनी जा सकती है।

कथाकार याद करते हैं कि बेकर ने गोवा में अपने बचपन के दिनों में उनके दोस्त और साथी के रूप में काम किया था। बेकर दिन में दो बार आता था; एक बार, जब वह अपनी रोटियां बेचने के चक्कर में था और दूसरी बार, अपनी खाली टोकरी के साथ वापस लौटते हुए, सभी रोटियां बेचकर। यह उनकी बाँस की छड़ी की आवाज़ थी जो बच्चों को जगाती थी। बच्चे उनसे मिलने के लिए बहुत उत्साहित थे और विशेष रूप से उनके लिए बनी ब्रेड की चूड़ियों या कंकोन से चुन रहे थे। जबकि चूड़ियाँ बच्चों के लिए थीं, रोटियाँ वयस्कों के लिए थीं जो आम तौर पर घर की नौकरानी द्वारा एकत्र की जाती थीं।

बेकर अक्सर अपनी बांस की छड़ी के साथ एक संगीत प्रविष्टि बनाता था। उसके एक हाथ ने उसके सिर पर टोकरी का समर्थन किया जबकि दूसरे ने बांस को जमीन पर पटक दिया। वह घर-घर जाकर महिलाओं को रोटियां सौंपने से पहले उनका अभिवादन करता। माता-पिता बच्चों को डांटते थे और उन्हें अलग खड़ा करते थे। लेकिन वे जितने उत्सुक थे, वे टोकरी में झाँकने के लिए एक बेंच या दीवार पर चढ़ गए। उन्होंने उन ब्रेड बेंगल्स को रखने से पहले अपने दांतों को ब्रश करने की भी जहमत नहीं उठाई क्योंकि उन्हें शाखाओं से आम के पत्तों को दांतों को ब्रश करने के लिए इस्तेमाल करना अनावश्यक प्रयास लगता था। वे ब्रश करने को अनावश्यक मानते थे क्योंकि गर्म चाय आसानी से अपना मुँह धो सकती थी और उन्हें लगता था कि बाघ जैसे जानवरों ने कभी अपने दाँत नहीं धोए।

रोटी गोयन संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह हर महत्वपूर्ण अवसर पर इसकी उपस्थिति से स्पष्ट है। विवाह में मिठाई की ब्रेड से लेकर सगाई की पार्टियों में सैंडविच और क्रिसमस के साथ-साथ अन्य अवसरों पर केक और नारियल कुकीज, हर गांव में एक बेकर की उपस्थिति को बहुत आवश्यक बनाता है।

बेकर्स को ज्ञात था कि उन्हें घुटने की लंबाई वाली फ्रॉक-लंबी पोशाकें पहनाई जाती थीं, जिन्हें आमतौर पर 'काबाई' के नाम से जाना जाता था। कथाकार के बचपन के दिनों में, उन्होंने उन्हें शर्ट और पैंट पहने देखा था, जिनकी लंबाई सामान्य लोगों की तुलना में कम थी। यह उनकी पहचान का एक हिस्सा इतना था कि भले ही कोई उस पतलून की लंबाई पहनता हो, उसे कहा जाता है कि उसने बेकर की तरह कपड़े पहने थे, या पुराने जमाने में कहा जाता था।

बेकर के पास पेंसिल का उपयोग करके दीवार पर बिलों का मासिक रिकॉर्ड बनाने और फिर महीने के अंत में धन एकत्र करने का एक तरीका था। बेकिंग हमेशा एक लाभदायक पेशा रहा है। बेकर का परिवार और कार्यकर्ता हमेशा खुश और खुशहाल रहे हैं। बेकर आमतौर पर मोटा था जो इस बात का सबूत था कि उसके पास खाने के लिए बहुत कुछ है और इसलिए, उसकी समृद्धि का प्रमाण था। यहां तक कि आज तक, एक अच्छी तरह से निर्मित शरीर वाले व्यक्ति की तुलना एक बेकर से की जाती है।